भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3061

दिनांक 07 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

.....

कोसी पश्चिमी तटबंध का टूटना

3061. श्री गोपाल जी ठाकुरः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दरभंगा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के किरतपुर के भुभौल गांव के पास सितंबर 2024 के अंतिम सप्ताह में कोसी पश्चिमी तटबंध टूटने से किरतपुर, गौड़ा बौराम और घनश्यामपुर में भारी तबाही हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस वर्ष नेपाल से कोसी नदी में अत्यधिक पानी आने से बांध में पानी भर गया है और दरारें पड़ गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कोसी बांध की ऊंचाई बढ़ाने या उसे सुदृढ़ करने से संबंधित कार्य इसके निर्माण के 61 वर्ष से भी अधिक समय बाद तक नहीं किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का कोसी पश्चिमी तटबंध (जहां भारतमाला परियोजना के अंतर्गत कोसी नदी पर देश का सबसे बड़ा पुल बनाया जा रहा है) पर ऊंचाई बढ़ाने और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू करने के साथ-साथ भेजा से अंतिम बिंदु तक दो लेन की सड़क का निर्माण करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): बिहार सरकार ने सूचित किया है कि दरभंगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के किरतपुर ब्लॉक के भुभौल गांव के पास पश्चिमी कोसी तटबंध (डब्ल्यूकेई) (घोघरडीहा के नीचे डब्ल्यूकेई के 38.210 किमी पर) टूटने से तटबंध की 220 मीटर लंबाई में क्षति हुई है और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत लागत 40.2235 करोड़ रुपये है।

(ख) और (ग): कोसी बैराज का निर्माण वर्ष 1963 में बिहार की सीमा पर नेपाल के हनुमान नगर में किया गया था। वर्ष 1968 में अधिकतम बाढ़ निर्वहन 7.88 लाख क्यूसेक था। 29 सितंबर 2024 को कोसी बैराज में दर्ज निर्वहन 6.61 लाख क्यूसेक था। इस समय, बैराज ठीक से काम कर रहा है। बढ़े हुए निर्वहन के कारण तटबंध का जलस्तर बढ़ गया और अंततः यह टूट गया।

बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के अंतर्गत प्रकाशित विनियमों के अनुसार, निर्दिष्ट बांध के प्रत्येक मालिकों को उनकी बांध सुरक्षा इकाई के माध्यम से नियमित रूप से मानसून-पूर्व और मानसून-पश्चात निरीक्षण करवाना होगा। राज्य बांध सुरक्षा संगठन, बिहार द्वारा अप्रैल 2025 में प्रस्तुत कोसी बैराज की नवीनतम मानसून-पूर्व निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, "इनटेक/आउटलेट संरचना (बांध/बैराज निकाय पर) के अपस्ट्रीम या डाउनस्ट्रीम में कोई गंभीर अवरोध नहीं हैं और कंड्यूट कंक्रीट, ब्रेस्ट वॉल और गेट स्लॉट (बांध/बैराज निकाय पर) में कुछ मामूली से मध्यम क्षति देखी गई है।" राज्य बांध सुरक्षा संगठन (एसडीएसओ) द्वारा विधिवत अनुमोदित निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, बैराज को श्रेणी-III (वर्ष के दौरान सुधार की आवश्यकता वाली छोटी-मोटी कमियां) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(घ): राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सूचित किया है कि कोसी नदी के पूर्वी से पश्चिमी बांध के बीच भेजा से बकौर तक 10.2 किलोमीटर लंबे कोसी पुल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, साथ ही भेजा में बांध की ओर जाने वाले मार्ग पर पत्थर की पिचिंग द्वारा तटबंध को मजबूत करने का कार्य भी शुरू हो गया है।

बिहार में "पूर्वी और पश्चिमी कोसी तटबंधों को ऊंचा और मजबूत करने" नामक एक बाढ़ प्रबंधन परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 339.39 करोड़ रुपये है, को XIवीं योजना में मंत्रालय के बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम (एफएमपी) के अंतर्गत केंद्रीय वित्तपोषण के लिए शामिल किया गया था और इसका 97% भौतिक कार्य पूरा हो चुका है।

*****